STEPPING STONE
SCHOOL (HIGH)

CLASS :9

Subject: 2ndLang(Hindi)
Date:25.06.20
Topic: sahitya sagar(Baat athanni ki)

Worksheet No.:22

FOR CLASSES IX-X

1. Please read the chapter from your text book and the attached notes.
2. Then work out the exercises neatly in your notebooks henceforth.
3. Ensure neat and tidy work.
4. Do not write above the red line of the notebook pages.
5. Use notebook with ..... pages and write with **black** ink.
6. Make a contents page first with columns under the heads as given below:

CONTENTS

DATE	WORKSHEET NO.	CHAPTER NO. AND NAME	PAGE NOS.	TEACHER'S SIGNATURE

Class 9&10
1) ruled -120 pages(1) for (lit+rapid reader)
2) ruled-120 pages (1) for (grammar, essay, letter, & comprehension)

Scanned with CamScanner

WORKSHEET NO: 22

CLASS : 9

SUB: 2ND LANG (HINDI)

pioneerpaperco.com
Page :
Date : 25 / 06 / 20

पाठ - बात अठन्नी की

सुदर्शन

कहानी का सार :- 'रसीला' नाम का एक व्यक्ति इंजीनियर बाबू जगत सिंह के यहाँ पर नौकरी करता है। उसका परिवार गाँव में रहता है जिसकी जिम्मेदारी उसी के कंधों पर है। वह मालिक से अपने वेतन को बढ़ाने की माँग करता है परन्तु मालिक नहीं मानता है। रसीला नौकरी छोड़ने का साहस नहीं कर पाता है।

इंजीनियर बाबू के पड़ोस में जिला मजिस्ट्रेट शेख सलीमुद्दीन रहते हैं जिनका चौकीदार रमज़ान है। रसीला और रमज़ान में खूब दोस्ती है।

एक बार रसीला को पैसों की बहुत जरूरत थी तो रमजान ने उसे बिना माँगे ही पाँच रुपए दे दिए। रसीला ने साढ़े चार रुपए तो लौटा दिए परन्तु आठ आने बाकी रह गए थे।

एक दिन इंजीनियर बाबू ने रसीला से पाँच रुपए की मिठाई मँगवाई तो रसीला ने साढ़े चार रुपए की मिठाई खरीद कर आठ आने रमज़ान को दे दिए और कर्ज़ से मुक्त हो गया। परन्तु इंजीनियर बाबू भी कोई साधारण इंसान नहीं थे। रुपयों का लेन-देना करना उनका रोज़ का काम था। उन्होंने तुरंत ही रसीला को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

अदालत में रसीला को छः महीने की सज़ा सुनाई गई और सज़ा सुनाने वाले थे शेख सलीमुद्दीन जो कि रिश्वत लेने के मामले में इंजीनियर बाबू से भी बढ़ कर ही थे।

फैसला सुनकर रमजान के मन में इंजीनियर बाबू और शेख साहब के प्रति अत्यन्त क्रोध उत्पन्न हो जाता है। वह कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहता है कि यह अंधेर नगरी है।

कहानी का उद्देश्य :- प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य समाज में व्याप्त रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचारी और बेईमानी पर व्यंग्य करते हुए बड़े लोगों का असली चेहरा समाज को दिखाना है।

Scanned with CamScanner

1. बात अठन्नी की

सुदर्शन

कहानीकार का परिचय

श्री सुदर्शन का जन्म सन् 1895 ई० में विभाजन से पूर्व के पंजाब के सियालकोट नामक स्थान में हुआ था, जो आजकल पाकिस्तान में है। प्रारंभिक शिक्षा के बाद इन्होंने वहाँ के स्कॉटिश मिशन कॉलेज में प्रवेश लिया। इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद यह जालंधर चले गए, पर इन्होंने अपना कार्य क्षेत्र मुम्बई को चुना 16 दिसंबर 1967 को इनका देहावसान हो गया।

रचनाएँ -

कहानी - 'पुष्पलता', 'सुप्रभात', 'सुदर्शन सुधा', 'पनघट'। इनके अलावा भी इन्होंने अनेक कहानियाँ लिखी हैं।

भाषा-शैली तथा रचनाओं की विशेषताएँ-

सुदर्शन की भाषा अत्यंत सजीव, प्रवाहपूर्ण और व्यावहारिक हैं। इनकी कहानियों में मानवीय भावनाओं तथा संवेदनाओं का मार्मिक तथा प्रभावशाली चित्रण हुआ है।

Scanned with CamScanner

शीर्षक की सार्थकता :- प्रस्तुत कहानी अठन्नी की चोरी पर आधारित है जिसमें एक जरूरतमंद और मजदूर व्यक्ति आठ आने की चोरी के अपराध में मार भी खाता है और छः महीने की कड़ी सज़ा भी काटता है और वहीं पर पाँच - पाँच सौ रुपयों की रिश्वत लेने वाले बड़े - बड़े लोग चैन की जिंदगी बिताते हैं। अतः यह कहानी एक अठन्नी के ईर्द - गिर्द ही घूमती है इसलिए शीर्षक अत्यन्त ही सार्थक है।

शब्दार्थ - भार (यहां पर) - ज़िम्मेदारी, सालों - वर्षों, सौगंध - कसम, पेशगी - पहले दिया जाने वाला धन, ऋण - कर्ज, शिकार फँसा है (यहां पर) - रिश्वत देने वाला, रंग उड़ गया - घबरा जाना, तमाचा - थप्पड़, लातों के भूत बातों से नहीं मानते - दुष्ट आदमी समझाने बुझाने पर नहीं मानते, आँखों में खून उतर आया - क्रोधित हो गया, लायक - काबिल, अंधेरी कोठरी - जेल।

Scanned with CamScanner